प्रोजेक्ट युग परिवर्तन चैप्टर सदस्यता

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

(Also available in English)

GAVN SALN
GABN SRMN

मानवता के स्वर्ण युग (सतयुग) के लिए
जागरूक स्वयंसेवकों, उद्यमियों, नेताओं और मार्गदर्शकों
को एकजुट करना

PROJECT YUG PARIVARTAN
PYP
SYNERGY PLATFORM

मार्गदर्शन
डिफ़ाइंड वैल्यूज़
कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
नई दिल्ली-110008 (भारत)
CIN: U74140DL2013PTC247409
वेबसाइट: www.definedvalues.org

कार्यान्वयनकर्ता:
PYP गोल्डन एज फाउंडेशन
सेक्शन-8 एनजीओ
नई दिल्ली-110008 (भारत)
CIN: U85300DL2023NPL409531
वेबसाइट: www.projectyugparivartan.org

संपर्क सूत्र: +91 9910849988
ईमेल: pyp@definedvalues.org | **X:** @CMHC_Official

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

विषयसूची

1. PYP चैप्टर क्या है? 4

1.1 – चैप्टर संगठन 4

1.2 – PYP चैप्टर सदस्यता प्रकार 5

2. PYP चैप्टर सदस्य बनने के लाभ 6

2.1 – गोल्डन एज वालंटियर्स नेटवर्क (GAVN) सदस्यों के लिए प्रमुख लाभ 6

2.2 – गोल्डन एज बिज़नेस नेटवर्क (GABN) सदस्यों के लिए प्रमुख लाभ 6

2.3 – सेल्फ-एक्चुअलाइज़्ड लीडरशिप नेटवर्क (SALN) सदस्यों के लिए प्रमुख लाभ 7

2.4 – सेल्फ-रियलाइज़्ड मेंटॉरशिप नेटवर्क (SRMN) सदस्यों के लिए प्रमुख लाभ 7

2.5 – संयुक्त प्रणालीगत लाभ 7

3. सदस्यता प्रकार के अनुसार सदस्यों का उत्तरदायित्व 8

3.1 – GAVN सदस्यों का प्रमुख उत्तरदायित्व 8

3.2 – GABN सदस्यों का प्रमुख उत्तरदायित्व 9

3.3 – SALN सदस्यों का प्रमुख उत्तरदायित्व 10

3.4 – SRMN सदस्यों का प्रमुख उत्तरदायित्व 11

4. PYP चैप्टर सदस्यों के लिए पाठ्यक्रम 12

4.1 – सामान्य परिचय कार्यक्रम 12

4.2 – GAVN प्रेरण कार्यक्रम 13

4.3 – GABN प्रेरण कार्यक्रम 16

4.4 – SALN प्रेरण कार्यक्रम 19

4.5 – SRMN प्रेरण कार्यक्रम 22

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

🌟 प्रोजेक्ट युग परिवर्तन (PYP) में आपका स्वागत है 🌟

प्रिय सदस्य,

प्रोजेक्ट युग परिवर्तन (PYP) में आपका हार्दिक स्वागत है — यह एक दूरदर्शी आंदोलन है, जो हर व्यक्ति के भीतर अंतर्निहित सनातन ज्ञान को पुनर्जाग्रत कर मानवता के भविष्य को गढ़ने हेतु समर्पित है। इस यात्रा से जुड़कर आपने भारत और विश्व के लिए स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में अपनी विशिष्ट भूमिका को साकार करने की दिशा में एक सचेत कदम उठाया है।

PYP में हमारा विश्वास है कि हर व्यक्ति मानव चेतना के उत्थान का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। चाहे आप एक स्वयंसेवक हों, एक नैतिक उद्यमी हों, एक स्व-प्रबुद्ध नेता हों, एक मार्गदर्शक हों या कोई संस्थागत साझेदार — आपका योगदान अति महत्वपूर्ण है, समाज को अराजकता से सामंजस्य, विखंडन से एकता, और अज्ञानता से उच्च चेतना की ओर ले जाने में।

🔑 इस सदस्यता पाठ्यक्रम के माध्यम से आपको क्या प्राप्त होगा:

✅ PYP के दिशा और रणनीतिक मॉडल की स्पष्टता, जो विजन और मिशन को लागू करता है।
✅ PYP चैप्टर रचना रूपरेखा की गहन जानकारी।
✅ अपने लाभ और योगदान के अनुसार सही सदस्यता चयन हेतु मार्गदर्शन।
✅ इस पहल के उद्देश्यों के साथ अपने कार्य, व्यवसाय और सेवा प्रयासों के संरेखण हेतु प्रशिक्षण।

🚩 आप कैसे योगदान कर सकते हैं:

🔹 अपने लिए लागू संरचित प्रेरण कार्यक्रम और मंचों में भाग लें।
🔹 PYP चैप्टर स्तर पर प्रयासों का नेतृत्व करें या सहयोग करें।
🔹 अपने कौशल, संसाधन और नेटवर्क को अपने PYP चैप्टर को सशक्त करने में लगाएं।

🌎 यह क्यों महत्वपूर्ण है:

यह यात्रा केवल किसी संगठन की सदस्यता नहीं है — यह आपके जीवन के उद्देश्य को इस युग परिवर्तन के ब्रह्मांडीय उद्देश्य के साथ सुसंगत करने का एक आध्यात्मिक उत्तरदायित्व है। हम सब मिलकर ऐसे विश्व की ओर अग्रसर हैं जहाँ एक देश, एक ईश्वर, एक कार्यक्षेत्र, और एक परिवार, एक जीवित यथार्थ बन जाए।

सामूहिक प्रयासों के माध्यम से, हम मूल-स्तरीय समस्याओं के समाधान और सचेत, नैतिक व सतत विकास के लिए सिस्टम्स का निर्माण कर रहे हैं — आज के लिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए। इस ऐतिहासिक सह-निर्माण के निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए धन्यवाद। स्वर्ण युग के निर्माता के रूप में आपकी यात्रा अब प्रारंभ होती है।

शुभकामनाओं सहित,
प्रोजेक्ट युग परिवर्तन सचिवालय
🌐 http://www.projectyugparivartan.org

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

1. PYP चैप्टर क्या है?

प्रोजेक्ट युग परिवर्तन (PYP) चैप्टर पिनकोड / ज़िपकोड स्तर पर स्थानीय समुदायों में स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाने के लिए एक मूलभूत इकाई के रूप में कार्य करता है। यह ग्रासरूट चैप्टर ऐसे व्यक्तियों, परिवारों और संस्थाओं की पहचान करने, उन्हें पोषित करने और सशक्त बनाने के लिए समर्पित है, जो एक सद्भावपूर्ण, सचेत और मूल्य-आधारित समाज के निर्माण के दृष्टिकोण से जुड़े हुए हैं। निश्चित पिनकोड क्षेत्र के भीतर कार्यरत यह चैप्टर, स्थानीय सहभागिता, नेतृत्व विकास और PYP के व्यापक उद्देश्यों की ओर सामूहिक क्रियाशीलता के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। संरचित कार्यक्रमों, नियमित बैठकों और स्थानीय पहलों के माध्यम से, PYP चैप्टर निवासियों में उत्तरदायित्व और सहभागिता की भावना को विकसित करता है, जिससे वे भारत को विश्वगुरु बनाने और वैश्विक स्वर्ण युग आंदोलन में अपना विशिष्ट योगदान देने की अपनी भूमिका को पहचान सकें।

1.1 – चैप्टर संगठन

PYP चैप्टर स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र ढांचे के अंतर्गत सबसे छोटी और सबसे स्थानीय संगठनात्मक इकाई है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विश्वगुरु भारत के दृष्टिकोण और स्वर्ण युग सभ्यता की स्थापना समाज के ग्राम्य और नगरीय स्तर, अर्थात् मोहल्लों, सोसाइटियों और कॉलोनियों में, जो कि अलग-अलग पिनकोड से जुड़ी हों, गहराई से जड़ें जमा ले।

इस संरचना के माध्यम से PYP यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी परिवार, कोई भी व्यक्ति और कोई भी संस्था इस आंदोलन के परिवर्तनकारी ज्ञान, नेतृत्व मॉडलों और सामूहिक उद्देश्य से अछूती न रहे। प्रत्येक पिनकोड के अंतर्गत एक चैप्टर होगा, किन्तु घनी आबादी वाले शहरी क्षेत्रों में आवश्यकता अनुसार किसी पिनकोड के भीतर उप-समूह (Sub-Groups) बनाए जा सकते हैं।

नीचे चित्र 1 में एक सामान्य PYP चैप्टर की प्रबंधन संरचना (Management Hierarchy) को दर्शाया गया है। इन भूमिकाओं के विस्तृत विवरण, मुख्य परिणाम क्षेत्र (KRA) और मुख्य प्रदर्शन संकेतक (KPI) अलग-अलग दस्तावेज़ों में प्रकाशित किए गए हैं।

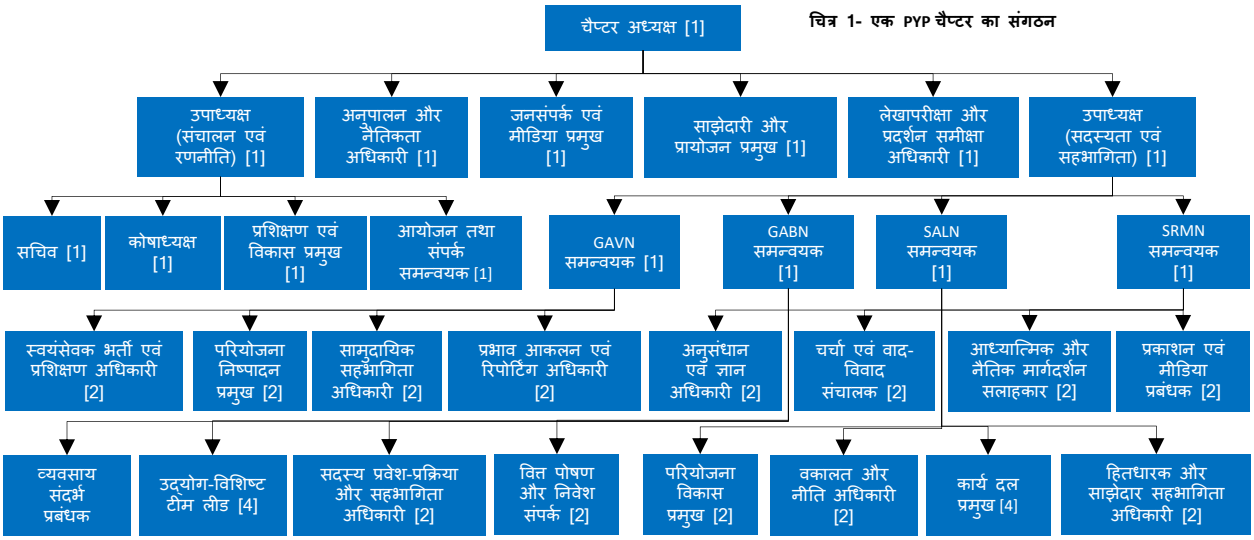

चित्र 1- एक PYP चैप्टर का संगठन

PYP चैप्टर केवल एक समूह नहीं है; यह स्थानीय चेतना में आधारित वैश्विक परिवर्तन का सूक्ष्म इंजन है। लोगों को स्वर्ण युग दृष्टि के साथ संरेखित करने हेतु सबसे सूक्ष्म स्तर पर सशक्त बनाकर, यह संरचना सुनिश्चित करती है कि भारत की विश्वगुरु बनने की यात्रा केवल एक दार्शनिक कल्पना नहीं, बल्कि संगठित, मापनीय और विस्तार योग्य कार्यों के माध्यम से व्यावहारिक रूप से संभव हो।

सारांश रूप में, एक PYP चैप्टर का स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र में निम्न योगदान होता है:

- ✅ स्थानीय स्तर पर जागरूकता को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाना।
- ✅ भविष्य के जिला / राज्य / राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की पहचान और पोषण करना।
- ✅ समाज में बिखरे हुए सद्भावनापूर्ण प्रयासों को संगठित सामूहिक कार्य में बदलना।
- ✅ हर घर को PYP के विजन के साथ जुड़ने का अवसर सुनिश्चित करना।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

1.2 – PYP चैप्टर सदस्यता प्रकार

PYP चैप्टर में सदस्यता को सोच-समझकर इस प्रकार संरचित किया गया है कि विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए लोग, अपनी विशिष्ट क्षमताओं और आकांक्षाओं के माध्यम से, स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान दे सकें। सदस्यों को उनकी मुख्य योगदान प्रवृत्ति और चैप्टर की गतिविधियों में सहभागिता के आधार पर वर्गीकृत किया गया है। चार प्रमुख श्रेणियां निम्नलिखित हैं:

1. स्वयंसेवक (Volunteers): धर्म के अनुकूल जमीनी स्तर क्रियाओं और सामुदायिक सेवा में संलग्न।
2. नैतिक उद्यमी और प्रोफेशनल्स (Ethical Entrepreneurs and Professionals): जागरूक, सतत और मूल्य-आधारित व्यवसायों और करियर का संचालन।
3. स्व-प्रबुद्ध नेता (Self-Actualized Leaders): नवाचार, नेतृत्व और समस्या-समाधान के माध्यम से सिस्टम-स्तरीय परिवर्तन के वाहक।
4. आध्यात्मिक मार्गदर्शक व गुरुजन (Spiritual Mentors and Guides): आंतरिक स्पष्टता, ज्ञान और चेतना-संगत दिशा प्रदान करने वाले।

यह विविध होते हुए भी एकीकृत संरचना सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक सदस्य को अपनी सार्थक भूमिका प्राप्त हो, और सेवा, नेतृत्व, उद्यम व आध्यात्मिक मार्गदर्शन के माध्यम से हम सब मिलकर स्वर्ण युग के आधार स्तंभों को सुदृढ़ करें। इसी अनुसार, PYP चैप्टर में सदस्यता चार समर्पित नेटवर्क्स में विभाजित की गई है, जिनकी दिशा-प्रवृत्ति निम्न प्रकार से निर्धारित है:

1. GAVN (गोल्डन एज वॉलंटियर्स नेटवर्क) – संकल्प: विश्वकल्याणकारी भारत हेतु।
2. GABN (गोल्डन एज बिज़नेस नेटवर्क) – संकल्प: विश्वधनऋषि भारत हेतु।
3. SALN (सेल्फ-एक्चुअलाइज़्ड लीडरशिप नेटवर्क) – संकल्प: विश्वसम्राट भारत हेतु।
4. SRMN (सेल्फ-रियलाइज़्ड मेंटॉरशिप नेटवर्क) – संकल्प: विश्वगुरु भारत हेतु।

इनमें से प्रत्येक नेटवर्क चार प्रगतिशील वरिष्ठता स्तरों (नीचे चित्र 2 में दर्शाया गया है) के साथ कार्य करता है, जिससे सदस्य अपनी क्षमताओं व योगदान के विकास के साथ क्रमिक रूप से आगे बढ़ सकें।

चित्र 2– PYP चैप्टर सदस्यता प्रकार

चित्र 3– PYP चैप्टर नेटवर्क पात्रता मैट्रिक्स

नेटवर्क	केंद्रित क्षेत्र	लक्षित दर्शक	मुख्य भूमिका
GAVN	सेवा	स्वयंसेवक, नागरिक	क्षेत्र सक्रियण, आयोजन समर्थन, स्थानीय आंदोलन
GABN	आचरण	उद्यमी, स्टार्टअप, पेशेवर	धार्मिक उद्यम के माध्यम से आर्थिक पुनरुत्थान
SALN	नीति	नेता, सुधारक, परिवर्तनकर्ता	आंतरिक निपुणता के माध्यम से प्रणालीगत परिवर्तन
SRMN	अध्यात्म	गुरु, उपचारक, आध्यात्मिक मार्गदर्शक	आंतरिक जागृति, मार्गदर्शन, मौन नेतृत्व

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

2. PYP चैप्टर का सदस्य बनने के लाभ

PYP चैप्टर का सदस्य बनना आपके व्यक्तिगत, व्यावसायिक और आध्यात्मिक विकास के लिए असीम संभावनाओं के द्वार खोलता है। इस दूरदर्शी आंदोलन का हिस्सा बनने पर, आप उन सहृदय और समान सोच वाले लोगों के सशक्त नेटवर्क से जुड़ते हैं, जो सिस्टम-स्तरीय परिवर्तन और सचेत नेतृत्व के माध्यम से स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध हैं। सदस्यता लाभों में शामिल हैं — संरचित शिक्षण कार्यक्रम, नेतृत्व विकास मंच और सहयोगी नेटवर्क्स जिनके माध्यम से आप स्वयंसेवा, नैतिक व्यापार, परिवर्तनकारी नेतृत्व और आध्यात्मिक प्रगति जैसे क्षेत्रों में अपने विकास पथ को सशक्त बना सकते हैं।

आप विशेष पहलों में भाग लेने का विकल्प चुन सकते हैं जैसे — SALDP (सेल्फ-एक्चुअलाइज़्ड लीडरशिप डेवेलपमेंट प्रोग्राम), विशेष कार्यशालाएँ और मंच, जो आपको अपनी पूरी क्षमता के अनुरूप सशक्त बनाकर स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तरों पर प्रभावशाली योगदान हेतु तैयार करते हैं। इन लाभों के माध्यम से PYP आपके उद्देश्य को कर्म में बदलने की शक्ति देता है, और आपको युग परिवर्तन में एक सक्रिय शक्ति के रूप में तैयार करता है।

2.1 – GAVN सदस्यों को मुख्य लाभ

- **उद्देश्य-आधारित समुदाय से जुड़ाव:** धार्मिक और राष्ट्रीय उत्थान के लिए कार्यरत धर्मिक स्वयंसेवकों के समूह का हिस्सा बनना।
- **सेवा के माध्यम से व्यक्तिगत विकास:** वास्तविक जीवन के कार्यों के माध्यम से नेतृत्व, समन्वयन और संचालन कौशल का विकास करें।
- **योगदान प्रमाण पत्र:** नियमित स्वयंसेवी प्रयासों के लिए प्रत्येक तिमाही में मान्यता।
- **PYP कार्यक्रमों और प्रशिक्षण के आयोजन में प्राथमिकता:** PYP कार्यक्रमों के आयोजन, संचालन या प्रबंधन में प्राथमिक भूमिका।
- **उच्च नेटवर्क्स की ओर मार्ग:** आपकी निष्ठा के आधार पर SALN (लीडरशिप) या GABN (उद्यमिता) में नामांकन के लिए मजबूत आधार।
- **SALN/SRMN लीडर्स से मार्गदर्शन:** अनुभवी नेताओं और मार्गदर्शकों के संरक्षण में विकसित होना।
- **डिजिटल मान्यता बैज:** सेवा रत्न, महीने का सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेवक और अन्य प्रतिस्पर्धात्मक सम्मान।
- **भारत के भविष्य के लिए वास्तविक योगदान:** यथार्थ समय में सामाजिक रूपांतरण अभियानों में भागीदारी।

2.2 – GABN सदस्यों के लिए प्रमुख लाभ

- **बिज़नेस संकल्प डिज़ाइन सहायता:** अपने व्यवसाय को **स्वर्ण युग** के सिद्धांतों और अपने उच्च उद्देश्य के अनुरूप बनाने में सहयोग।
- **स्वर्ण युग व्यवसाय टेम्पलेट्स और उपकरण :** PYP WISE गाँव और कस्बों की परियोजनाओं तक पहुँच, मिशन प्रस्तुतिकरण और ब्रांडिंग दिशा-निर्देशों का निर्माण बनाने में सहयोग।
- **सहकर्मी शिक्षण और रणनीतिक सहयोग:** समान विचारधारा वाले सचेत उद्यमियों के साथ सह-निर्माण।
- **धार्मिक ब्रांड के रूप में दृश्यता:** आपके ब्रांड का PYP कार्यक्रमों, मंचों और प्लेटफार्मों पर प्रस्तुतीकरण।
- **अनुभवी GABN/SALN प्रशिक्षकों से मार्गदर्शन:** व्यवसाय में स्पष्टता, नैतिक विस्तार और मूल्य सृजन हेतु मार्गदर्शन।
- **GAVN और SALN से कार्यबल:** उद्देश्यपरक स्वयंसेवकों और नेताओं के साथ सहयोग।
- **जागरूक पूंजी मंचों में भागीदारी:** मिशन निवेशक और मूल्य-संरेखित वित्तपोषकों के साथ सहभागिता।
- **स्वर्ण युग व्यवसाय के रूप में मान्यता:** आंतरिक समीक्षा के बाद प्रमाणपत्र और डिजिटल प्रतीक चिह्न।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

2.3 – SALN सदस्यों के लिए प्रमुख लाभ

- **नेतृत्व मार्गदर्शन:** SRMN **मार्गदर्शक** या PYP कोर टीम से एक-से-एक मार्गदर्शन।
- **मिशन स्पष्टता और आर्किटेक्चर सहायता:** आपकी परिवर्तन परियोजना को स्पष्ट, सुव्यवस्थित और परिभाषित करने में सहायता।
- **PYP प्रणाली के माध्यम से अनुशासित कार्यान्वयन:** प्रभाव उत्पन्न करने के लिए टेम्पलेट्स, ट्रैकर्स और उत्तरदायित्व उपकरण।
- **बहु-नेटवर्क सहयोग का अवसर:** GAVN मानव संसाधन, GABN वित्तपोषक और SRMN परामर्शदाताओं के साथ जुड़ाव।
- **राष्ट्रीय परिवर्तनकर्ता के रूप में पहचान:** उच्च-स्तरीय मंचों, सोशल मीडिया और मीडिया विज्ञप्ति में दृश्यता।
- **मुख्य मंडल और चैप्टर नेतृत्व के लिए पात्रता:** किसी डोमेन या PYP चैप्टर को अधिकृत परिवर्तन प्रतिनिधि के रूप में नेतृत्व करने का अवसर।
- **प्रोजेक्ट युगपरिवर्तन प्रभाव रिपोर्ट्स में विशेष उल्लेख:** भारत के **स्वर्ण युग** विकास में आपके योगदान का दस्तावेज़ीकरण।
- **नीति-स्तरीय प्रस्तावों के सह-निर्माण का अवसर:** धर्म के अनुरूप नीति सुधार हेतु चिंतन मंच में सहभागिता।

2.4 – SRMN सदस्यों को मुख्य लाभ

- **युग धर्म मिशन में क्षेत्र-धारक के रूप में सेवा करने के अवसर:** प्रसिद्धि, आसक्ति या अहंकार से मुक्त होकर अपने दिव्य कर्तव्य का पालन करें।
- **सभी नेटवर्क्स से मासिक मार्गदर्शन प्राप्त करने के अवसर:** SALN, GAVN या GABN से चयनित साधकों को सूक्ष्म मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।
- **आंतरिक साधना शिविरों एवं मौन गोष्ठियों में सहभागिता:** चयनित साथियों के साथ विशेष आध्यात्मिक गहराई के अनुभव।
- **SRMN मार्गदर्शक के रूप में मान्यता:** SRMN डायरेक्टरी में प्रोफ़ाइल, प्रतीक चिन्ह (बैज), और केवल मार्गदर्शकों हेतु विशेष सत्रों में विशेष प्रवेश।
- **वैश्विक परिवर्तन शक्तियों के साथ ऊर्जात्मक संरेखण:** सामूहिक संकल्प ध्यान एवं उपचार सत्रों में सहभागिता।
- **SRMN ज्ञान संग्रह में लेखक योगदान:** अपना ज्ञान भविष्य पीढ़ियों हेतु गुमनाम या नाम सहित साझा करें।
- **अगली पीढ़ी के मार्गदर्शक नामांकित एवं मार्गदर्शित करें:** अंदर से इस पवित्र पारिस्थितिकी तंत्र को आकार दें।
- **संस्थागत सीमाओं से परे अपने आध्यात्मिक उद्देश्य की पूर्ति:** संगठनात्मक राजनीति या हस्तक्षेप से मुक्त, शुद्ध सेवा का क्षेत्र।

2.5 – संयुक्त प्रणालीगत लाभ

- संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यक्रम और शिखर सम्मेलन में सहभागिता का अवसर
- प्रोजेक्ट युग परिवर्तन पोर्टल (सक्रिय होने पर) पर प्रोफ़ाइल दृश्यता
- कोर टीम से व्यक्तिगत मार्गदर्शन सहायता
- प्रति तिमाही उन्नयन विकल्प — नेटवर्क्स में विकास हेतु अवसर
- 'भारत को विश्वगुरु बनाने' के संकल्प में दृश्य और अदृश्य दोनों प्रकार से योगदान

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

3. सदस्यता प्रकार के अनुसार सदस्यों के कर्त्तव्य

यह अनुभाग PYP के चारों नेटवर्क के सभी सदस्यों के लिए एक स्पष्ट और व्यवस्थित मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करता है। इसमें प्रत्येक नेटवर्क के भीतर विभिन्न सदस्यता स्तरों के विशिष्ट कर्तव्यों और अपेक्षित योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक सदस्य न केवल अपनी व्यक्तिगत भूमिका को भली-भांति समझे, बल्कि यह भी जान सके कि उसका प्रयास सामूहिक रूप से PYP के व्यापक दृष्टिकोण और स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में किस प्रकार योगदान देता है। इन जिम्मेदारियों को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि वे **उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करें, सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करें**, और प्रत्येक सदस्य के कार्यों को **सेवा (Service), व्यवहार (Conduct), नीति (Governance) और अध्यात्म (Spirituality)** के मूल सिद्धांतों के साथ संरेखित करें।

इन निर्धारित कर्तव्यों को निभाकर सदस्य न केवल अपनी **व्यक्तिगत और पेशेवर प्रगति को सुदृढ़** करते हैं, बल्कि साथ ही साथ संसार को **उच्चतर चेतना और सतत विकास** की ओर रूपांतरित करने के मिशन को भी सक्रिय रूप से आगे बढ़ाते हैं।

3.1 – GAVN सदस्यों के प्रमुख कर्त्तव्य

1A. सहायक स्वयंसेवक [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 30]

- मूल और सहायक स्वयंसेवी भूमिकाओं में भाग लें।
- आवश्यक स्वयंसेवी अभिविन्यास और प्रशिक्षण में भाग लें।
- वरिष्ठ और क्षेत्रीय स्वयंसेवकों की मार्गदर्शिका का पालन करें।
- सभी PYP स्वयंसेवी कार्यों में अनुशासन बनाए रखें।

1B. क्षेत्रीय स्वयंसेवक [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 15]

- अधिवेशन सेवा कैलेंडर के अनुसार भौतिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें।
- गतिविधियों के बाद समय पर प्रतिक्रिया और रिपोर्ट प्रदान करें।
- समुदाय के अन्य लोगों को सेवा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करें।
- अनुशासन बनाए रखें और संगठनात्मक नैतिकता का पालन करें।

1C. वरिष्ठ स्वयंसेवक [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 4]

- विशिष्ट पहलों (स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण आदि) का जिम्मा लें।
- टीम लीडर को कार्य आवंटन और निष्पादन में समर्थन दें।
- क्षेत्रीय और सहायक स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन और प्रोत्साहित करें।
- नियमित रूप से सेवा की कहानियां और प्रभाव अपडेट साझा करें।

1D. टीम लीडर [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 1]

- स्वयंसेवक टीम का नेतृत्व करें और सेवा परियोजनाओं का निष्पादन करें।
- सेवा घंटे और गतिविधियों की मासिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें।
- निम्न श्रेणी के स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन करें।
- मासिक GAVN बैठकों में टीम का प्रतिनिधित्व करें।
- अधिवेशन GAVN समन्वयक के साथ समन्वय करें।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

चित्र 4- GAVN सदस्यता स्तरों के लिए KRA और KPI पर एक नज़र

GAVN सदस्यता स्तर	KRA (प्रमुख कर्त्तव्य)	KPI (प्रदर्शन संकेतक)
1A. सहायक स्वयंसेवक	बुनियादी स्वयंसेवा में भाग लें, प्रक्रियाएं सीखें	उपस्थिति %, प्रशिक्षण समापन, गतिविधि घंटे
1B. क्षेत्रीय स्वयंसेवक	जमीनी स्तर पर सेवा गतिविधियों का क्रियान्वयन, सहायता टीम	गतिविधियों में भाग, गुणवत्ता प्रतिक्रिया प्राप्त
1C. वरिष्ठ स्वयंसेवक	नेताओं का समर्थन करें, कनिष्ठों का मार्गदर्शन करें, पहल को आगे बढ़ाएँ	समर्थित पहल, सहभागिता घंटे, प्रभाव रिपोर्ट
1D. टीम लीडर	स्वयंसेवी टीमों का नेतृत्व करें, सेवा परियोजनाओं की योजना बनाएं और उन्हें क्रियान्वित करें	संचालित परियोजनाएँ, % टीम प्रतिधारण, रिपोर्टिंग समयबद्धता

3.2 – GABN सदस्यों के प्रमुख कर्त्तव्य

2A. सहायक सदस्य [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 30]

- नेटवर्क संबंध बनाएं और PYP के व्यापारिक नैतिकता को समझें।
- बैठकों और व्यापार संवादों में सक्रिय रूप से भाग लें।
- भविष्य में सहभागिता या प्रायोजन के माध्यम से कार्यक्रमों का समर्थन करें।
- जिम्मेदार और सचेत व्यापार संलग्नता के लिए दिशानिर्देशों का पालन करें।

2B. वरिष्ठ सदस्य [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 15]

- मासिक नेटवर्किंग बैठकों में नियमित रूप से भाग लें।
- लीड्स, अवसरों को साझा करें, और नैतिक रूप से सहयोग करें।
- संगठन को मजबूत करने के लिए गुणवत्तापूर्ण संपर्कों को संदर्भित करें।
- प्राप्त संदर्भों का पालन करें और परिणामों को अपडेट करें।

2C. कुलीन सदस्य [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 4]

- नेटवर्क के भीतर सक्रिय रूप से संदर्भों को साझा करें और प्राप्त करें।
- ऐसे परियोजनाओं पर सहयोग करें जो सचेत व्यापार से मेल खाते हों।
- व्यापार सफलता की कहानियाँ या केस स्टडी प्रस्तुत करें।
- अधिवेशन स्तर पर व्यापारिक प्रभाव के लिए रणनीतिक योजना में भाग लें।

2D. कॉर्पोरेट सदस्य [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 1]

- अन्य सदस्यों के साथ नैतिक व्यापार सहयोग का नेतृत्व करें।
- अधिवेशन स्तर पर व्यापारिक कार्यक्रमों का प्रायोजन या समर्थन करें।
- छोटे व्यावसायिक सदस्यों को स्नेहपूर्वक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करें।
- स्वर्ण युग अर्थव्यवस्था सिद्धांतों से मेल खाते हुए पहलों को बढ़ावा दें।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

चित्र 5- GABN सदस्यता स्तरों के लिए KRA और KPI पर एक नज़र

GABN सदस्यता स्तर	KRA (प्रमुख कर्त्तव्य)	KPI (प्रदर्शन संकेतक)
2A. सहायक सदस्य	रिश्ते बनाएँ, बैठकों में भाग लें, संस्कृति सीखें	उपस्थिति %, नेटवर्किंग क्रियाएँ, योगदान किए गए रेफ़रल
2B. वरिष्ठ सदस्य	सक्रिय रूप से जुड़ें, लीड साझा करें, नैतिक मानकों का पालन करें	आदान-प्रदान की गई लीड, सहभागिता %, रिपोर्टिंग स्थिरता
2C. कुलीन सदस्य	रेफरल साझा करें, प्रमुख कार्यक्रमों में भाग लें	रेफरल, बैठकों में भाग लिया, गठबंधन बनाए
2D. कॉर्पोरेट सदस्य	सहयोग का नेतृत्व करें, कार्यक्रमों को प्रायोजित करें, सदस्यों का मार्गदर्शन करें	प्रायोजन, # रेफरल दिए गए, प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया

3.3 – SALN सदस्यों के प्रमुख कर्त्तव्य

3A. संबद्ध सदस्य [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 22]

- चर्चाओं और प्रशिक्षण सत्रों में भाग लें।
- विशेष कौशल के माध्यम से पहलों का समर्थन करें।
- सेल्फ-एक्चुअलाइज़्ड लीडरशिप के फ्रेमवर्क सीखें।
- उच्च भूमिकाओं की ओर सक्रिय रूप से आगे बढ़ें।

3B. उभरते नेता [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 5]

- मार्गदर्शन में लघु-स्तरीय पहलों का संचालन करें।
- नेतृत्व चर्चाओं और UNSDG संरेखण में सक्रिय योगदान दें।
- वरिष्ठ नेताओं को प्रगति पारदर्शी रूप से रिपोर्ट करें।
- चैप्टर के भीतर और बाहर प्रभाव बनाएं।

3C. वरिष्ठ नेता [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 2]

- उभरते नेताओं को प्रोजेक्ट की संरचना और विस्तार हेतु मार्गदर्शन दें।
- व्यक्तिगत मिशन को चैप्टर के रणनीतिक उद्देश्यों के साथ संरेखित करें।
- SALN मासिक बैठकों में नेतृत्व अनुभव साझा करें।
- सिस्टम-स्तरीय प्रभाव हेतु क्रॉस-नेटवर्क सहयोग निर्मित करें।

3D. प्रभाव नेता [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 1]

- युग धर्म और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (UNSDG) के अनुरूप मिशन-आधारित पहलों का नेतृत्व करें।
- वरिष्ठ, उभरते और संबद्ध नेताओं का मार्गदर्शन करें।
- अंतर-नेटवर्क नेतृत्व मंचों में चैप्टर का प्रतिनिधित्व करें।
- तिमाही प्रभाव मेट्रिक्स और विचार नेतृत्व अंतर्दृष्टि की रिपोर्ट करें।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

चित्र 6- SALN सदस्यता स्तरों के लिए KRA और KPI पर एक नज़र

SALN सदस्यता स्तर	KRA (प्रमुख कर्त्तव्य)	KPI (प्रदर्शन संकेतक)
3A. संबद्ध सदस्य	चर्चाओं में भाग लें, कौशल प्रदान करें	भागीदारी %, योगदान कौशल, सीखने की प्रगति
3B. उभरते नेता	छोटी परियोजनाओं को आगे बढ़ाएँ, प्रभाव बनाएँ, प्रगति लाएँ	शुरू की गई परियोजनाएँ, रिपोर्टिंग आवृत्ति, विकास के पड़ाव
3C. वरिष्ठ नेता	उभरते नेताओं को मार्गदर्शन प्रदान करें, PYP के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाएँ	प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन, परियोजना की उपलब्धियाँ, समीक्षा अंक
3D. प्रभाव नेता	मिशन परियोजनाओं का नेतृत्व करें, नेताओं को सलाह दें, UNSDG प्रभाव डालें	परियोजनाओं का नेतृत्व, # नेताओं को सलाह, प्रभाव मेट्रिक्स

3.4– SRMN सदस्यों के प्रमुख कर्त्तव्य

4A. आध्यात्मिक आकांक्षी [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 22]

- आध्यात्मिक अध्ययन मंडलियों और संवादों में भाग लें।
- नियमित रूप से आंतरिक प्रगति पर विचार करें और साझा करें।
- अधिवेशन की आध्यात्मिक ऊर्जा निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लें।
- नेटवर्क में उच्चतम मार्गदर्शकों की मार्गदर्शिका का पालन करें।

4B. जीवन मार्गदर्शक [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 5]

- सदस्यों को 1-1 या समूह मार्गदर्शन सत्रों के माध्यम से समर्थन करें।
- व्यक्तिगत विकास और आत्म-प्रकाशन पर अनुभव साझा करें।
- संवादों के माध्यम से अंतरधार्मिक समझ में योगदान करें।
- PYP के मूल्यों के साथ संतुलित जीवन जीने को बढ़ावा दें।

4C. दार्शनिक मार्गदर्शक [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 2]

- विभिन्न आध्यात्मिक दृष्टिकोणों को समन्वयित करने के लिए चर्चा आयोजित करें।
- जीवन मार्गदर्शक और आध्यात्मिक अभ्यासी को मार्गदर्शन दें।
- मासिक SRMN बैठकों के दौरान प्रतिबिंबों का नेतृत्व करें।
- SRMN के लिए ज्ञान सामग्री लिखें या योगदान दें।

4D. प्रबुद्ध गुरु [प्रत्येक चैप्टर में अधिकतम 1]

- अंतरधार्मिक ज्ञान मंडलियों का नेतृत्व करें और आध्यात्मिक स्थायित्व प्रदान करें।
- दार्शनिक मार्गदर्शकों, जीवन मार्गदर्शक और अभ्यासी को मार्गदर्शन दें।
- अधिवेशन-स्तरीय आध्यात्मिक मंचों में SRMN का प्रतिनिधित्व करें।
- सत्ययुग विचारधारा के निर्माण हेतु दिशानिर्देश दें।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

चित्र 7- SRMN सदस्यता स्तरों के लिए KRA और KPI पर एक नज़र

SRMN सदस्यता स्तर	KRA (प्रमुख कर्तव्य)	KPI (प्रदर्शन संकेतक)
4A. आध्यात्मिक आकांक्षी	सीखने में भाग लें, विचार साझा करें, मार्गदर्शन का पालन करें	उपस्थिति %, प्रस्तुत विचार, जागरूकता में वृद्धि
4B. जीवन मार्गदर्शक	1-1 या समूह कोचिंग आयोजित करें, अनुभव साझा करें	कोचिंग सत्र, प्रतिपुष्टि गुणवत्ता, जुड़ाव की निरंतरता
4C. दार्शनिक मार्गदर्शक	संवाद गोष्ठियों का आयोजन करना, प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन करें, विचार नेतृत्व में योगदान दें	संवाद आयोजित किए गए, प्रशिक्षुओं को समर्थन दिया गया, प्रकाशनों में योगदान दिया गया
4D. प्रबुद्ध गुरु	आध्यात्मिक मंडलियों का नेतृत्व करें, निचले स्तरों का मार्गदर्शन करें, विचारधारा का प्रारूप तैयार करें	मंडलियों का नेतृत्व, मार्गदर्शन, विचारधारा में योगदान

4. PYP चैप्टर सदस्यों के लिए पाठ्यक्रम

PYP चैप्टर पाठ्यक्रम को प्रत्येक नेटवर्क की विशिष्ट आवश्यकताओं और क्षमताओं के अनुरूप सावधानीपूर्वक रचा गया है, जो PYP प्रणाली का हिस्सा हैं। इस अनुभाग में पाठ्यक्रम का एक व्यापक, नेटवर्क-वार विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है, ताकि हर सदस्य—चाहे उसकी भूमिका या भागीदारी का स्तर कुछ भी हो—उसे लक्षित ज्ञान, कौशल और अनुभवात्मक शिक्षा प्राप्त हो सके, जिससे वह एक जागरूक परिवर्तनकर्ता के रूप में विकसित हो सके। यह पाठ्यक्रम धर्म के साथ गहन सामंजस्य, नेतृत्व क्षमताओं के विस्तार, और व्यक्तिगत व सामूहिक परिवर्तन को सभी PYP नेटवर्क्स में तेज़ी से बढ़ाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

4.1 – सामान्य प्रेरण कार्यक्रम

उद्देश्य: PYP के माध्यम से सतयुग लाने के मिशन में सदस्यों को जाग्रत, उद्देश्य-समन्वित योगदानकर्ता बनने के लिए पोषित और सशक्त बनाना।

मॉड्यूल 1: अभिविन्यास और आंतरिक जागृति

समयावधि: 3 घंटे (2 स्व-अध्ययन सत्र – प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव Q&A सत्र – 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. एक जागरूक क्रांति की आवश्यकता
    - समाज में कलियुग के लक्षणों की पहचान
    - एक समग्र दृष्टिकोण: व्यक्ति, परिवार, कार्यस्थल, शहर, राज्य, राष्ट्र, विश्व
    - निर्णय लेने में शाश्वत सिद्धांतों की भूमिका
    - राष्ट्रधर्म की समझ
2. स्व-चेतना और स्वधर्म
    - खोज: मैं कौन हूँ? मेरा अस्तित्व क्यों है?
    - दृष्टिकोण कैसे बनते हैं
    - पूर्ण अवलोकन में बाधाएँ
    - SFP इंडेक्स के माध्यम से आत्म-मूल्यांकन
    - आंतरिक पुकार (स्वधर्म) की खोज
    - SALDP (सेल्फ-एक्चुअलाइज़्ड लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम) का परिचय

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

मॉड्यूल 2: एक PYP चैप्टर का संचालन

समयावधि: 3 घंटे (2 स्व-अध्ययन सत्र – प्रत्येक 1 घंटे + 1 लाइव Q&A – 1 घंटे)

सत्रों का अवलोकन:

1. PYP संस्कृति और संकल्प प्रणाली
    - PYP का इतिहास, उद्देश्य, मिशन, पारिस्थितिकी तंत्र
    - स्वर्ण युग पारिस्थितिकी तंत्र में PYP चैप्टर्स की भूमिका
    - PYP चैप्टर्स के मूल मूल्य और प्रोटोकॉल
    - संकल्प मंडल: संरचना, रिपोर्टिंग, लक्ष्य ट्रैकिंग
2. सदस्य भूमिकाएँ और सहभागिता मॉडल
    - कार्यात्मक क्षेत्र और सदस्य के कर्तव्य
    - पहल लेना और स्थानीय परियोजनाओं का नेतृत्व करना
    - अपना PYP WISE गांव और शहर प्रभाव बनाना

मॉड्यूल 3: सामुदायिक कार्य एवं जागरूक प्रभाव

समयावधि: 4 घंटे (3 स्व-अध्ययन सत्र – प्रत्येक 1 घंटे + 1 लाइव Q&A – 1 घंटे)

सत्रों का अवलोकन:

1. परिवर्तन परियोजनाओं की रूपरेखा और नेतृत्व
    - स्थानीय सामाजिक समस्याओं की पहचान
    - सूक्ष्म-मिशनों का डिज़ाइन (स्वास्थ्य, युवा, पर्यावरण आदि)
    - चैप्टर के अंदर और बीच सहयोग (Intra & Interchapter)
2. प्रलेखन कार्य, कथावाचन कौशल और प्रभाव रिपोर्टिंग
    - व्यक्तिगत और टीम यात्रा का दस्तावेज़ीकरण
    - सामाजिक परिवर्तन के लिए स्टोरीटेलिंग की मूल बातें
    - PYP पारिस्थितिकी तंत्र में कहानियों को साझा करने के प्रारूप
3. सार्वजनिक वक्तव्य एवं स्वयंसेवक प्रेरणा
    - संकल्प मंडल और जनसंपर्क कार्यक्रम में बोलना
    - नए स्वयंसेवकों को प्रेरित करने की रणनीतियाँ
    - लघु परिचय सत्र और वेबिनार्स का संचालन

मुख्य परिणाम (Key Outcomes):

- उद्देश्य (स्वधर्म) के प्रति आंतरिक जागृति
- PYP प्रणालियों और संस्कृति की व्यावहारिक समझ
- स्थानीय परियोजनाओं के माध्यम से सक्रिय योगदान
- प्रलेखन कार्य और कथावाचन कौशल के माध्यम से प्रभाव की प्रभावशाली अभिव्यक्ति
- दूसरों को PYP मिशन की ओर प्रेरित करने और संगठित करने के कौशल

4.2 - GAVN प्रेरण कार्यक्रम

उद्देश्य: PYP के माध्यम से नए स्वयंसेवकों को स्वर्ण युग के दर्शन के साथ संरेखित करने, नेटवर्क में अपनी भूमिकाओं को समझने, और निःस्वार्थ सेवा की भावना को विकसित करने हेतु दिशा प्रदान करना और प्रेरित करना।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

1A – सहयोगी स्वयंसेवक [प्रवेश स्तर]

मॉड्यूल उद्देश्य: स्वयंसेवा के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना, PYP मूल्यों से सामंजस्य बनाना, और सेवा के लिए आधारभूत तैयारी विकसित करना।

समयावधि: 6 घंटे (5 स्व-अध्ययन सत्र – प्रत्येक 1 घंटे + 1 लाइव Q&A – 1 घंटे)

सत्रों का अवलोकन:

1. स्वयंसेवकों के लिए आचार संहिता
    - युग परिवर्तन के लिए स्वयंसेवा का महत्व
    - नैतिकता, अनुशासन, श्रम की गरिमा
    - सेवा गतिविधियों में व्यवहार संबंधी अपेक्षाएँ
2. सेवा के सिद्धांत (निस्वार्थ सेवा)
    - सेवा के 10 स्वर्णिम सिद्धांत
    - स्व-हित बनाम सेवा-हित का संतुलन
3. मूल स्वयंसेवक कौशल
    - संप्रेषण (Communication), समयपालन, टीमवर्क
    - रिपोर्टिंग और प्रलेखन कार्य की मूल बातें
4. PYP सेवा परियोजनाओं से परिचय
    - स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, सामाजिक कारण
    - सहायक संसाधन के रूप में प्रभावी योगदान कैसे करें
5. GAVN संरचना और भूमिकाओं का अभिविन्यास
    - नेटवर्क कैसे कार्य करता है
    - भविष्य की वृद्धि की राहें

परिणाम: PYP संस्कृति और प्रोटोकॉल के अनुरूप, ज़मीनी स्तर की सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए तैयार।

1B – क्षेत्र स्वयंसेवक [कार्रवाई दल]

मॉड्यूल उद्देश्य: सदस्यों को स्वतंत्र क्रियान्वयन, क्षेत्र समन्वय, और नेतृत्व की तैयारी के लिए व्यावहारिक कौशल से सुसज्जित करना।

समयावधि: 5 घंटे (4 स्व-अध्ययन सत्र – प्रत्येक 1 घंटे + 1 लाइव Q&A – 1 घंटे)

सत्रों का अवलोकन:

1. सामुदायिक सहभागिता तकनीक
    - जन-सहभागिता के लिए प्रेरणा देना
    - विश्वास और सहयोग का निर्माण
2. गतिविधियों की योजना और निष्पादन
    - छोटे सेवा प्रोजेक्ट्स के लिए आयोजन प्रबंधन
    - सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, आकस्मिक स्थितियों का प्रबंधन
3. क्षेत्रीय रिपोर्टिंग और प्रभाव मापन
    - सेवा परिणामों को प्रभावी ढंग से दर्ज करना
    - रिपोर्टिंग और छायाचित्र प्रलेखन के टेम्पलेट

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

4. कठिन परिस्थितियों का प्रबंधन
    - क्षेत्रीय कार्य के दौरान संघर्ष प्रबंधन, जोखिम की स्थितियाँ

परिणाम: स्वतंत्र रूप से छोटी सेवा गतिविधियों को संचालित करने और उनके परिणाम वरिष्ठ स्वयंसेवकों को रिपोर्ट करने में सक्षम।

1C – वरिष्ठ स्वयंसेवक [नेतृत्व समर्थन]

मॉड्यूल उद्देश्य: परियोजना क्षेत्रों की स्वामित्व भावना विकसित करना, अन्य सदस्यों का मार्गदर्शन करना, और बाहरी हितधारकों के साथ समन्वय स्थापित करना।

समयावधि: 7 घंटे (6 स्व-अध्ययन सत्र – प्रत्येक 1 घंटे + 1 लाइव Q&A – 1 घंटे)

सत्रों का अवलोकन:

1. विषय आधारित परियोजना का दायित्व
    - स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण–किसी विभाग का सफलतापूर्वक नेतृत्व कैसे करें
    - लक्ष्य निर्धारण और सामाजिक प्रभाव मापन
2. स्वयंसेवक नेतृत्व एवं मार्गदर्शन कौशल
    - नए स्वयंसेवकों को कोचिंग देना
    - मजबूत सेवा टीमों का निर्माण
3. उन्नत संप्रेषण एवं प्रस्तुति कौशल
    - चैप्टर और सार्वजनिक मंचों को प्रभाव रिपोर्ट करना
    - प्रभावशाली सेवा रिपोर्ट/कहानियाँ लिखना
4. हितधारक प्रबंधन
    - NGO, स्थानीय निकायों और अधिकारियों से साझेदारी
    - सहयोग में PYP की ब्रांड अखंडता बनाए रखना
5. संसाधन जुटाने की मूल बातें
    - गैर-वित्तीय संसाधन: मानवबल, सामग्री, सद्भावना
6. मासिक रिपोर्टिंग एवं प्रलेखन कार्य मानक
    - टेम्पलेट्स, SOPs, प्रकरण अध्ययन, दृश्य रिपोर्टिंग

परिणाम: विषय आधारित परियोजनाओं के परिणामों की ज़िम्मेदारी और **क्षेत्र** एवं सहयोगी स्वयंसेवकों को अधिकतम प्रभाव के लिए समर्थन देना।

1D – टीम लीडर [नेतृत्व मूल]

मॉड्यूल उद्देश्य: टीम प्रदर्शन, रणनीतिक समन्वयन, और उच्च स्तरों पर GAVN का प्रतिनिधित्व करने के लिए नेतृत्व में दक्षता प्राप्त करना।

समयावधि: 10 घंटे (9 स्व-अध्ययन सत्र – प्रत्येक 1 घंटे + 1 लाइव Q&A – 1 घंटे)

सत्रों का अवलोकन:

1. स्वयंसेवक भर्ती की मूल बातें
    - दूसरों को सेवा कार्य में नैतिक रूप से आमंत्रित करना
2. प्रभाव के लिए संप्रेषण
    - व्यक्तिगत सेवा कहानियों के माध्यम से प्रेरित करना
    - सेवा प्रदर्शित करते समय सोशल मीडिया नैतिकता

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

3. स्वयंसेवक नेटवर्क में रणनीतिक नेतृत्व
    - दृष्टिकोण तय करना, मूल्यों के माध्यम से प्रेरित करना
    - प्रदर्शन प्रबंधन के लिए KPI का उपयोग
4. उच्च-प्रदर्शन सेवा टीमों का निर्माण
    - भर्ती प्रक्रियाएँ, प्रेरणा प्रणाली, स्वेच्छा से जुड़े रहने की रणनीतियाँ
5. डेटा-आधारित सामाजिक प्रभाव मापन
    - संकेतक डिज़ाइन करना, गुणात्मक/मात्रात्मक परिणामों का आकलन
6. नेटवर्क-पार सहयोग कौशल
    - GABN, SALN, SRMN के साथ सहयोग कर समन्वित पहलों में भागीदारी
7. सार्वजनिक प्रतिनिधित्व एवं मीडिया कौशल
    - चैप्टर मंचों पर बोलना, मीडिया प्रबंधन की बुनियादी समझ
8. उन्नत परियोजना प्रबंधन उपकरण
    - SOP का पालन, संकट मूल्यांकन, स्वयंसेवक प्रबंधन सॉफ्टवेयर
9. प्रशिक्षक का प्रशिक्षण (ToT)
    - भविष्य के नेताओं को तैयार कर विस्तार को सक्षम बनाना
    - चैप्टर नेतृत्व को रिपोर्टिंग
    - उच्च स्तरीय रिपोर्टिंग कौशल, प्रदर्शक पट्ट (डैशबोर्ड), सारांश प्रस्तुत करना

परिणाम: चैप्टर के अंतर्गत GAVN विंग की सफलता का स्वामित्व लेना, स्वर्ण युग मिशन के साथ संरेखण सुनिश्चित करना और भविष्य के नेताओं का विकास करना।

GAVN स्तरों में प्रगति दर्शन:

चित्र 8- GAVN सदस्यता स्तरों में प्रगति

स्तर	केंद्रित क्षेत्र	विकास परिणाम	प्रेरण घंटे.
सहयोगी स्वयंसेवक	भाग लेना	जागरूकता, जुड़ाव	16
क्षेत्र स्वयंसेवक	कार्यान्वयन	कौशल, अनुशासन, जिम्मेदारी	15
वरिष्ठ स्वयंसेवक	स्वामित्व	नेतृत्व, मार्गदर्शन	17
टीम लीडर	रणनीतिक प्रभाव	दृष्टि, प्रभाव, विरासत निर्माण	20

4.3 - GABN प्रेरण कार्यक्रम

- **उद्देश्य:** स्वर्ण युग आर्थिक मॉडल के अनुरूप नैतिक, जागरूक और सहयोगी व्यापारिक नेताओं का विकास करना।

2A - सहयोगी सदस्य [प्रवेश स्तर]

मॉड्यूल उद्देश्य: PYP के अंतर्गत सचेत व्यापार और नेटवर्किंग सिद्धांतों से सदस्यों को परिचित कराना।

अवधि: 5 घंटे (4 स्व-गति सत्र - प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र - 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. स्वर्ण युग व्यापार संदर्भ का परिचय
    - नैतिक और सचेत व्यापार के सिद्धांत
    - PYP दिशानिर्देशों के अंतर्गत व्यापार में क्या करें और क्या न करें
2. व्यापारिक नेटवर्किंग की बुनियादी बातें

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

- नेटवर्क कैसे व्यापारिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करते हैं
- व्यापार शिष्टाचार और विश्वास-आधारित संबंधों की महत्ता

3. GABN बैठकों में सहभागिता प्रोटोकॉल
    - रेफ़रल और चर्चाओं में अर्थपूर्ण सहभागिता कैसे करें
4. रेफ़रल व्यवस्था को समझना
    - लीड साझा करने और अनुवर्ती (फॉलो-अप) अनुशासन की मूल बातें
    - रेफ़रल की सत्यता का सम्मान करना
5. परिचयों के लिए मूल प्रस्तुति कौशल
    - 1-मिनट परिचय, लघु परिचय प्रस्तुति (एलिवेटर पिच) को बेहतर बनाना

परिणाम: बैठकों में ज़िम्मेदारीपूर्वक भाग लेने, PYP के व्यापार नैतिकता को समझने और संबंध निर्माण की शुरुआत करने में सक्षम बनते हैं।

2B - वरिष्ठ सदस्य [सक्रिय नेटवर्कर्स]

मॉड्यूल उद्देश्य: सदस्यों को रेफ़रल को सक्रिय रूप से उत्पन्न करने, प्राप्त करने और उनका पालन करने के लिए सशक्त बनाना, साथ ही इकोसिस्टम को मजबूत करना।

अवधि: 7 घंटे (6 स्व-गति सत्र - प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र - 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. उन्नत नेटवर्किंग रणनीतियाँ
    - जीत-जीत संबंध बनाना
    - अवसरों की पहचान हेतु सुनने की कला
2. रेफ़रल प्रक्रिया प्रबंधन
    - अनुसरण (ट्रैकिंग), परिणाम रिपोर्टिंग और गुणवत्ता बनाए रखने की प्रणालियाँ
3. अपने व्यापार को नेटवर्क्स में प्रस्तुत करना
    - आकर्षक व्यापारिक कहानियाँ बनाना और प्रस्तुत करना
    - प्रशंसापत्र, सफलताओं के अनुभव साझा करना
4. मूल्य-आधारित संबंध निर्माण
    - लेन-देन से आगे — विश्वास और योगदान पर केंद्रित संबंध
5. PYP के रणनीतिक आर्थिक लक्ष्यों को समझना
    - आपका व्यापार स्वर्ण युग अर्थव्यवस्था में कैसे योगदान देता है
6. सचेत नेटवर्क्स में नैतिक बिक्री प्रथाएँ
    - बिना छल के बेचना
    - पहले सेवा देना, बाद में कमाना

परिणाम: उच्च मूल्यों और स्थिरता के साथ जुड़े हुए इकोसिस्टम में व्यापार विकास में सक्रिय योगदानकर्ता बनते हैं।

2C - विशिष्ट सदस्य [प्रभावशाली व्यक्ति]

मॉड्यूल उद्देश्य: वरिष्ठ व्यापार मालिकों/नेताओं को प्रभावशाली परियोजनाओं पर सहयोग करने और रणनीतिक पहलों को आगे बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना।

अवधि: 7 घंटे (6 स्व-गति सत्र - प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र - 1 घंटे का)

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

सत्रों का अवलोकन:

1. सचेत वाणिज्य में नेतृत्व
    - लाभ, लोग और पर्यावरण के सिद्धांतों में संतुलन
    - मूल्यों-आधारित नेतृत्व के माध्यम से प्रभाव स्थापित करना
2. रणनीतिक गठबंधन और सहयोग
    - PYP मूल्यों के अंतर्गत संयुक्त उद्यम और कंसोर्टियम बनाना
    - अन्य नेटवर्क्स के साथ सहभागिता (GAVN, SALN, SRMN)
3. सामाजिक कल्याण के लिए व्यापार
    - उद्देश्य के अनुरूप व्यापार मॉडल डिज़ाइन करना
    - लाभ से परे प्रभाव मापदंडों को अपनाना
4. उन्नत रेफ़रल नेटवर्किंग तकनीकें
    - नेटवर्क्स का उपयोग कर तीव्र विकास प्राप्त करना
    - विभिन्न उद्योगों में अवसरों की संरचना करना
5. नवोदित उद्यमियों के लिए मेंटरशिप कौशल
    - युवा सदस्यों का मार्गदर्शन करना
    - विनम्रता के साथ असफलताओं और सबक को साझा करना
6. सचेत व्यवसायों का विस्तार
    - नैतिक विस्तार के लिए रूपरेखाएँ
    - स्वर्ण युग सिद्धांतों के साथ बढ़ती टीमों का प्रबंधन

परिणाम: PYP इकोसिस्टम में विश्वास, सहयोग और व्यापार मार्गदर्शन का स्तंभ बनना।

2D - कॉर्पोरेट सदस्य [नेतृत्व मूल]

मॉड्यूल उद्देश्य: विचार नेतृत्व प्रदान करना, इकोसिस्टम का विकास करना और उच्च-स्तरीय सहयोग को मजबूत करना।

अवधि: 9 घंटे (8 स्व-गति सत्र - प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र - 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. सचेत संगठनों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन
    - स्वर्ण युग मूल्यों के अनुरूप प्रशासन ढाँचे
2. परिवर्तनशील समय में आर्थिक नेतृत्व
    - बदलते बाज़ारों में नैतिकता से दिशा देना
    - क्षेत्रों को स्थिरता की ओर ले जाना
3. इकोसिस्टम आयोजनों की मेज़बानी और प्रायोजन
    - प्रभावशाली व्यापार मंचों की रचना और नेतृत्व कैसे करें
4. नेटवर्क्स के बीच मेंटरिंग (GABN, SALN, GAVN, SRMN)
    - ज्ञान का परस्पर आदान-प्रदान
    - स्तंभों के बीच रणनीतिक संरेखण
5. विचार नेतृत्व का विकास
    - सार्वजनिक वक्तव्य देना, प्रकाशन, और स्वर्ण युग के चैंपियन के रूप में पहचान बनाना

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

6. बाहरी मंचों में PYP का प्रतिनिधित्व
    - सरकारों, वाणिज्य मंडलों और वैश्विक संस्थाओं के साथ संवाद
7. नैतिक विकास के लिए नवाचार को बढ़ावा देना
    - सचेत नवाचार प्रयोगशालाएँ
    - अगली पीढ़ी के व्यापार मॉडल्स का निर्माण
8. स्वर्ण युग इकोसिस्टम में व्यापार विरासत का निर्माण
    - सफलता से सार्थकता की ओर अग्रसर होना

परिणाम: GABN का मूल आधार बनकर नेतृत्व करना और मानवता के हित में सचेत वाणिज्य के भविष्य को आकार देना।

GABN स्तरों में प्रगति दर्शन:

चित्र 9- GABN सदस्यता स्तरों में प्रगति

स्तर	केंद्रित क्षेत्र	विकास परिणाम	प्रेरण घंटे.
सहयोगी सदस्य	सीखना और उपस्थिति	जागरूकता, नेटवर्क परिचितता	15
वरिष्ठ सदस्य	सक्रिय योगदान	व्यावसायिक अवसर, प्रभाव	17
विशिष्ट सदस्य	सहयोग और मार्गदर्शन	क्षेत्र नेतृत्व, प्रभाव विस्तार	17
कॉर्पोरेट सदस्य	विचार नेतृत्व	पारिस्थितिकी तंत्र विकास, वैश्विक पहुंच	19

4.4 - SALN प्रेरण कार्यक्रम

उद्देश्य: ऐसे मिशन-प्रेरित नेताओं का पोषण करना, जो आत्म-बोध (Self-Actualization) की अवस्था से कार्य करते हुए अपने जीवन के कार्य को स्वर्ण युग निर्माण के उच्च उद्देश्य के साथ मापनीय प्रभाव के माध्यम से संरेखित करें।

3A - संबद्ध सदस्य (प्रवेश स्तर)

मॉड्यूल उद्देश्य: सदस्यों को आत्म-बोध नेतृत्व (Self-Actualized Leadership) दर्शन, युग धर्म और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (UNSDG) संरेखण से परिचित कराना।

अवधि: 8 घंटे (7 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. SALN का परिचय और प्रोजेक्ट युग परिवर्तन मिशन में इसकी महत्ता
    - क्यों आत्म-बोध नेतृत्व (Self-Actualized Leadership) आज के समय की आवश्यकता है
    - स्वर्ण युग दृष्टि (Golden Age Vision) के साथ संरेखण
2. नेतृत्व के संदर्भ में युग धर्म की समझ
    - आज के समय में नेताओं की युगानुकूल जिम्मेदारियां
    - प्राचीन ज्ञान और आधुनिक नेतृत्व के बीच सेतु निर्माण
3. लीडरशिप मॉडल के मूलभूत सिद्धांत (मानव के 9 प्रदर्शन स्तर)
    - निष्क्रियता (Inactivity) से मेंटरशिप (Mentorship) तक की यात्रा
4. संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (UNSDG) का परिचय
    - कैसे व्यक्तिगत मिशन वैश्विक लक्ष्यों के साथ जुड़ सकते हैं
5. व्यक्तिगत नेतृत्व मूल्यांकन उपकरण

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

- वर्तमान नेतृत्व परिपक्वता स्तर की पहचान

6. नैतिक निर्णय-निर्धारण और मूल्यों-आधारित नेतृत्व
    - ईमानदारी-आधारित कार्यों के लिए रूपरेखाएं
7. तंत्र आधारित चिंतन और प्रभाव मानचित्रण का परिचय
    - यह समझना कि छोटे प्रयास बड़े इकोसिस्टम में किस प्रकार जुड़ते हैं

परिणाम: SALN में अर्थपूर्ण योगदान कैसे करें और उच्च नेतृत्व स्तर की ओर कैसे प्रगति करें, इस पर स्पष्टता प्राप्त होगी।

3B - उभरते नेता (प्रोजेक्ट लीड्स)

मॉड्यूल उद्देश्य: सदस्यों को छोटे स्तर के मिशन-आधारित प्रोजेक्ट्स के नेतृत्व और प्रभाव निर्माण के लिए तैयार करना।

अवधि: 8 घंटे (7 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. परियोजना नेतृत्व की मूल बातें
    - मिशन-आधारित परियोजनाओं की योजना, क्रियान्वयन और रिपोर्टिंग
2. उद्देश्य-आधारित इकोसिस्टम में प्रभाव निर्माण
    - योगदान के माध्यम से दृश्यता की रणनीतियां
3. व्यक्तिगत दृष्टि और प्रोजेक्ट युग परिवर्तन मिशन के बीच संरेखण बनाना
    - व्यक्तिगत उद्देश्य को चैप्टर रणनीति से जोड़ना
4. हितधारक सहभागिता और संचार कौशल
    - टीम, लाभार्थी और साझेदारों का प्रबंधन
5. प्रणाली परिवर्तन नेतृत्व के मूलभूत सिद्धांत
    - समाज में प्रभावकारी बदलाव के अवसरों की पहचान
6. सामाजिक उद्यमिता और नवाचार के लिए UNSDGs का उपयोग
    - सामाजिक समस्याओं को प्रोजेक्ट अवसरों में बदलना
7. प्रभाव के लिए प्रदर्शन मीट्रिक्स और रिपोर्टिंग
    - सामाजिक प्रोजेक्ट्स के लिए मुख्य प्रदर्शन संकेतक (KPI) की मूल बातें

परिणाम: बड़े मिशन के अनुरूप आत्मविश्वास के साथ प्रोजेक्ट्स का नेतृत्व करने में सक्षम होंगे।

3C - वरिष्ठ नेता (नेटवर्क निर्माणकर्ता)

मॉड्यूल उद्देश्य: उभरते नेताओं का मार्गदर्शन, परियोजनाओं का विस्तार और नेटवर्कों के बीच सहयोग को सशक्त बनाकर SALN को सुदृढ़ करें।

अवधि: 8 घंटे (7 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 2 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. उन्नत नेतृत्व विकास के मॉडल
    - परिवर्तनकारी नेताओं के आदर्श रूप (Archetypes)
    - आंतरिक दक्षता (Inner Game) में महारत
2. मेंटरशिप और क्षमता निर्माण की तकनीकें
    - निर्भरता नहीं, परिणाम हेतु मेंटरिंग कैसे करें

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

3. स्थानीय चैप्टर्स से परे प्रभाव का विस्तार
    - प्रतिकृति योग्य मॉडल, टेम्पलेट्स और ज्ञान-साझाकरण
4. क्रॉस-नेटवर्क सहयोग (SALN, GAVN, GABN, SRMN)
    - समग्र प्रभाव के लिए सेतु निर्माण
5. प्रणाली-स्तर पर प्रभाव हेतु कथानक निर्माण
    - कहानी कहने की कला, सार्वजनिक प्रतिनिधित्व
6. उन्नत प्रभाव मीट्रिक्स एवं विचार नेतृत्व प्रकाशन
    - श्वेतपत्र, रिपोर्ट्स, लेख तैयार करना
7. मिशन विस्तार हेतु साझेदारी विकास
    - NGO, सरकार, कॉर्पोरेट से सहयोग बनाना

परिणाम: वरिष्ठ नेतृत्वकर्ता विस्तार को गति देते हैं, विस्तार योग्य ढाँचे बनाते हैं और दूसरों को विकसित करते हैं।

3D – प्रभावशील नेता [नेटवर्क द्रष्टा]

मॉड्यूल उद्देश्य: चैप्टर की SALN रणनीति का नेतृत्व करना, विज़न को संरेखित करना और व्यापक इकोसिस्टम में प्रतिनिधित्व करना।

अवधि: 9 घंटे (8 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. धर्म के रूप में नेतृत्व: युग उत्तरदायित्व ढाँचा
    - उच्च उद्देश्य चेतना से निर्णय लेना सीखना
2. स्वर्ण युग मिशनों के लिए दृष्टिकोण निर्धारण एवं रणनीतिक नेतृत्व
    - ग्रहीय समय-सीमाओं के अनुरूप दीर्घकालिक योजना बनाना
3. प्रणालीगत परिवर्तन पहलों का संचालन
    - सरकारी प्रतिनिधित्व, बड़े पैमाने पर सहयोग
4. वैश्विक मंच पर विचार नेतृत्व
    - वक्ता बनना, लेखन करना, नीतियों को प्रभावित करना
5. नेटवर्क में वरिष्ठ नेताओं की कोचिंग
    - चैप्टर में कोचिंग की संस्कृति स्थापित करना
6. स्थायी प्रभाव हेतु संस्थाओं का निर्माण
    - PYP के अनुरूप संगठनों की संरचना करना
7. वैश्विक स्तर पर नेतृत्व चेतना का विकास
    - सचेत नेतृत्व शिक्षा में नवीन प्रवृत्तियाँ स्थापित करना
8. उत्तराधिकार नेतृत्व और विरासत नियोजन
    - अगली पीढ़ी के नेताओं को जागरूक रूप से तैयार करना

परिणाम: यह मॉड्यूल चैप्टर को युग धर्म-आधारित नेतृत्व और सामाजिक परिवर्तन का प्रकाशस्तंभ बनने में सक्षम बनाता है।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

SALN स्तरों में प्रगति दर्शन:

चित्र 10- SALN सदस्यता स्तरों में प्रगति

स्तर	केंद्रित क्षेत्र	विकास परिणाम	प्रेरण घंटे.
संबद्ध सदस्य	सीखना और चिंतन	जागरूकता, नींव	18
उभरते नेता	आवेदन और निष्पादन	परियोजना प्रभाव, दृश्यता	18
सीनियर लीडर	मेंटरशिप और विस्तार	नेटवर्क प्रभाव, सिस्टम दृश्य	18
प्रभावशील लीडर	दृष्टि और प्रबंधन	पारिस्थितिकी तंत्र परिवर्तन, विरासत	19

4.5 - SRMN प्रेरण कार्यक्रम

उद्देश्य: स्व-प्रबुद्ध व्यक्तियों का निर्माण करना, जो अंतरधार्मिक संवाद, मार्गदर्शन और गहन आत्मिक साधना के माध्यम से एक एकीकृत, आध्यात्मिक रूप से परिपक्व विश्व विचारधारा के निर्माण में सक्रिय रूप से योगदान दें।

4A – आध्यात्मिक आकांक्षी [प्रवेश स्तर]

मॉड्यूल उद्देश्य: सदस्यों को मूलभूत आध्यात्मिक अभ्यास, नैतिक जीवन और अंतरधार्मिक सौहार्द में दीक्षित करना।

अवधि: 8 घंटे (7 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. SRMN और स्वर्ण युग विचारधारा का परिचय
    - स्वर्ण युग दृष्टिकोण में आध्यात्मिकता की भूमिका
2. सार्वभौमिक आध्यात्मिक नैतिकता के सिद्धांत
    - अहिंसा, सत्य, करुणा, विनम्रता
3. चेतना वृद्धि के लिए दैनिक अभ्यास
    - ध्यान, आत्मचिंतन, सेवा
4. तुलनात्मक धर्म और अंतर्धार्मिक सौहार्द का परिचय
    - विविध आध्यात्मिक मार्गों का सम्मान
5. मानव चेतना की समझ: स्तर और विकास
    - अज्ञान से लेकर अतिज्ञान तक की यात्रा
6. आध्यात्मिक प्रगति में संकल्प (Intention) की भूमिका
    - उद्देश्य की स्पष्टता और लक्ष्य निर्धारण
7. अध्ययन मंडल के नियम एवं चिंतन-साझाकरण विधियाँ
    - प्रभावी रूप से भागीदारी कैसे करें

परिणाम: साधक अनुशासन, विनम्रता और अंतर्धार्मिक सौहार्द की बुनियादी समझ को विकसित करते हैं।

4B – जीवन मार्गदर्शक [मार्गदर्शक]

मॉड्यूल उद्देश्य: सदस्यों को संरचित मार्गदर्शन के माध्यम से दूसरों की आध्यात्मिक यात्रा में सहयोगी बनने के लिए सक्षम बनाना।

अवधि: 8 घंटे (7 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. आध्यात्मिक परामर्श तकनीकें (1-1 एवं समूह सेटिंग में)
    - सुनना, प्रश्न पूछना, बिना थोपे मार्गदर्शन देना

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

2. आध्यात्मिकता के माध्यम से भावनात्मक और मानसिक दृढ़ता का निर्माण
    - भीतरी संघर्षों और चिंताओं को संबोधित करना
3. व्यक्तिगत आध्यात्मिक विकास योजनाओं का निर्माण
    - विभिन्न साधकों के लिए अनुकूलित अभ्यास तैयार करना
4. आधुनिक मस्तिष्कों के लिए विज्ञान और आध्यात्मिकता का पुल बनाना
    - तार्किक व्याख्याएँ, मन-शरीर-आत्मा का एकीकरण
5. अंतर्धार्मिक संवाद मंडलों को सुगम बनाना
    - विभिन्न विश्वासों के बीच सम्मानजनक संवाद
6. कोचों के लिए आंतरिक कार्य: अवचेतन पक्ष का कार्य (शैडो वर्क), अहं प्रबंधन
    - प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु आत्म-शुद्धि
7. प्राचीन ज्ञान प्रणालियों का परिचय (वेद, ताओ, सूफीवाद आदि)
    - ज्ञान का परस्पर आदान-प्रदान

परिणाम: जीवन कोच दूसरों के आंतरिक विकास और स्पष्टता के लिए प्रभावी समर्थन और प्रेरणा प्रदान करते हैं।

4C - दार्शनिक मार्गदर्शक [विचारक]

मॉड्यूल उद्देश्य: सदस्यों को विभिन्न आध्यात्मिक विचारधाराओं के सामंजस्य की दिशा में उन्नत करना और उन्हें स्वर्ण युग की दर्शन-व्यवस्था में योगदान हेतु प्रेरित करना।

अवधि: 8 घंटे (7 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. प्रमुख दार्शनिक परंपराओं का तुलनात्मक अध्ययन
    - वेदांत, बौद्ध धर्म, अब्राहिमक परंपराएँ, ताओवाद आदि
2. दार्शनिक लेखन एवं ज्ञान योगदान
    - लेख, श्वेत पत्र, विचारात्मक रचनाएँ
3. विरोधाभासी सिद्धांतों को उच्च एकता में समाहित करना
    - विरोधाभास में सामान्य सूत्र खोजना
4. गहन चिंतन मंडलों एवं संगोष्ठियों का संचालन
    - उन्नत चर्चाओं का संचालन
5. सामूहिक चेतना के विकास हेतु विचारों के ढाँचे
    - विचार पारिस्थितिकी तंत्र, मीम सिद्धांत
6. जीवन मार्गदर्शकों और साधकों का मार्गदर्शन
    - गहन सिद्धांतों का शिक्षण
7. भविष्य की आध्यात्मिक संस्थाओं के मॉडल तैयार करना
    - अंतर्धार्मिक संस्थाओं, विचार मंथन समूह बनाना (थिंक टैंकों की संरचना)

परिणाम: दार्शनिक मार्गदर्शक अपने विद्वतापूर्ण नेतृत्व से विकसित होती आध्यात्मिक व्यवस्थाओं को आकार देते हैं।

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025

4D – प्रबुद्ध आचार्य [द्रष्टा]

मॉड्यूल उद्देश्य: चैप्टर की आध्यात्मिक दिशा को निर्देशित करना और एकीकृत स्वर्ण युग विचारधारा के निर्माण में योगदान देना।

अवधि: 9 घंटे (8 स्व-अध्ययन सत्र, प्रत्येक 1 घंटे के + 1 लाइव प्रश्नोत्तर सत्र, 1 घंटे का)

सत्रों का अवलोकन:

1. अंतर्धार्मिक ज्ञान के समन्वय में निपुणता
    - विभिन्न मार्गों की परम सत्यों का समन्वय
2. युग धर्म में प्रबुद्ध आचार्य की भूमिका
    - मानवता की चेतना के उत्कर्ष का मार्गदर्शन
3. स्वर्ण युग विचारधारा की रूपरेखा का निर्माण
    - विचार प्रणालियाँ, नैतिकताएँ, साधनाएँ
4. उच्च स्तरीय ज्ञान परिषदों और मंचों का संचालन
    - वैश्विक विचार नेताओं से संवाद
5. भावी पीढ़ियों के लिए आध्यात्मिक विरासत की स्थापना
    - उत्तराधिकार और परंपरा की योजना
6. उन्नत परा-विज्ञान एवं चेतना अध्ययन
    - गूढ़ विज्ञान, क्वांटम आध्यात्मिकता
7. आंतरिक बोध को बाहरी कर्म से जोड़ना
    - समाधि से कर्म योग की ओर
8. आध्यात्मिक एकता पर वैश्विक घोषणाओं की रचना
    - घोषणापत्र, चार्टर, संकल्प-पत्र

परिणाम: प्रबुद्ध आचार्य सार्वभौमिक आध्यात्मिक मानकों की स्थापना करता है और SRMN को स्वर्ण युग विचारधारा के मिशन की पूर्ति की ओर मार्गदर्शित करता है।

SRMN स्तरों में प्रगति दर्शन:

चित्र 11- SRMN सदस्यता स्तरों में प्रगति

स्तर	केंद्रित क्षेत्र	विकास परिणाम	प्रेरण घंटे.
आध्यात्मिक आकांक्षी	अभ्यास और अनुशासन	आंतरिक स्थिरता, विनम्रता	18
जीवन मार्गदर्शक	मार्गदर्शन और मेंटरशिप	दूसरों का समर्थन, लचीलापन	18
दार्शनिक मार्गदर्शक	छात्रवृत्ति और एकता	सामंजस्य, विचार नेतृत्व	18
प्रबुद्ध आचार्य	दृष्टि और प्रबंधन	वैश्विक प्रभाव, संस्थागत विरासत	19

यह दस्तावेज़ उन व्यक्तियों के लिए एक समग्र मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करता है, जो स्वर्ण युग के आगमन में सार्थक योगदान देने के लिए समर्पित हैं। यह पाठ्यक्रम केवल कुछ दिशानिर्देशों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह एक जीवंत ढांचा है, जिसे आत्म-परिवर्तन, सामाजिक चेतना और सामूहिक मानव चेतना के स्तर पर रूपांतरण को पोषित करने के लिए तैयार किया गया है। जैसे-जैसे आप इस मार्ग पर अग्रसर होते हैं, आपकी सेवा में संतोष, नेतृत्व में स्पष्टता, उद्यम में सत्यनिष्ठा और आंतरिक यात्रा में शांति मिले — यही प्रार्थना है, जो प्रोजेक्ट युग परिवर्तन के सार्वभौमिक मिशन के साथ पूर्णतः समरस हो।

— **मुख्य मार्गदर्शक हितेश चंदेल** (Chief Mentor Hitesh Chandel)

कॉपीराइट: डिफाइंड वैल्यूज़ कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड।
सर्वाधिकार सुरक्षित। संस्करण 1.0 दिनांक 19-जुलाई-2025